

प्रपक,

सुनीलश्री माथरी,

आर. मन्त्रि,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून: दिनांक: 15 अक्टूबर 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में शव विच्छेदन गृह ल्यूनी, जनपद देहरादून के भवन निर्माण की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-7प/1श0वि0गृ0/19/2008/25842 दिनांक 07.08.2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2008-09 में शव विच्छेदन गृह ल्यूनी, जनपद देहरादून के भवन निर्माण हेतु आगणन की आंकलित राशि रू0 17,50,000.00 के सापेक्ष आँकित्यपूर्ण धनराशि रू0 17,30,000.00 पर प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में उक्त भवनों के निर्माण कार्य हेतु संलग्नकानुसार रू0 17,30,000.00(रू0 सत्रह लाख तीस हजार मात्र) के सापेक्ष रू0 10,00,000.00 (रू0 दस लाख मात्र) के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- एकमुश्त प्राविधानों का कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर निम्नानुसार सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा।

3- कार्य कराने समय लॉ0नि0 विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एंजेन्सी कर होगा।

4- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा निर्माण निर्माण इकाई अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, देहरादून को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा।

5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित वाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में मैन्युअल तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

6- आगणन में उल्लिखित दरों का विशलेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत दरों को तथा जहाँ दर स्वीकृत शेड्यूल में नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

7- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाये।

- 8- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरो/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्ववंत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 11- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला में अवश्य करा लिया जाय तथा उपर्युक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 12- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी पर व्यय किया जाये। एक मद की राशि को दूसरी मद में कदापि व्यय किया जाये।
- 13- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी तथा यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।
- 14- निर्माण के समय यदि किसी कारण वंश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्ण स्वीकृति आवश्यक होगी।
- 15- उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- 16- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाये।
- 17- जी०पी०डब्ल्यू० फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा मास में कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 18- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शा०सं०-2047/xiv-219(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्दिष्ट आदेशों के क्रम में कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 19- आय-व्ययक 2008-09 में अनुदान सं०-12 लेखाशीर्षक 4210- चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय, 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें 110-अस्पताल तथा औषधालय 08- शत विच्छेदन गृह का निर्माण-आयोजनागत-00-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 20- यह आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-266(I) वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008 दिनांक 02-09-2008 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)

उप सचिव

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- भट्टालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊं मण्डल उत्तराखण्ड।
- 4- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 5- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 7- मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून ।
- 8- मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।
- 10- अपर सचिव, मा0 मुख्यमंत्री ।
- 11- निजी सचिव, मा0 चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री।
- 12- अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा देहरादून ।
- 13- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- 14- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आर0सी0।
- 15- मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून ।
- 16- गार्ड फाईल।

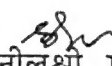
आज्ञा सं,

(सुनीलश्री पांथरी)  
उप सचिव

(धनराशि लाख रू० में)

क्रम सं०	कार्य का नाम	जनपद	निर्माण इकाई	आगणन की आंकलित धनराशि	परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण लागत	वर्ष 2008-09 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2		3	4	5	6
1	शव विच्छेदन गृह ल्यूनी का भवन निर्माण।	देहरादून	आर०ई० एस०	17.50	17.30	10.00
			योग-	17.50	17.30	10.00

(रू० दस लाख मात्र)

  
(सुनीलश्री पांथरी)  
उप सचिव